

Title: Regarding very poor condition of National Highways Nos. 28 and 29 (E).

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय राष्ट्रीय राजमार्ग और परिवहन मंत्री जी का ध्यान उत्तर प्रदेश के एन.एच.-28 और एन.एच.-29ई इन दो महत्वपूर्ण राजमार्गों की ओर दिलाना चाहता हूँ। महोदय, एन.एच.-28 गोरखपुर को प्रदेश की राजधानी और देश की राजधानी से जोड़ता है और एन.एच.-29ई उत्तर प्रदेश को नेपाल से जोड़ने का एक प्रमुख राजमार्ग है। वर्तमान में एनएचआई के स्थानीय अधिकारियों की लापरवाही और स्थानीय माफिया और अपराधियों से मिलीभगत के कारण इसकी बड़ी बदतर और बदहाल स्थिति है। पिछले एक वर्ष से दोनों राजमार्ग अत्यंत बदतर स्थिति में हैं। कई-कई घंटे तक इन मार्गों पर जाम लगा रहता है। एनएचआई अंतर्राष्ट्रीय स्तर, राजमार्गों को देने का दावा पूरे देश के अंदर करती है, लेकिन ये दोनों राजमार्ग वर्तमान में अत्यंत खराब स्थिति में हैं।

MR. SPEAKER: You have made your point.

योगी आदित्यनाथ : एनएचआई ने एन.एच.28 के लिए 9 करोड़ 71 लाख रूपए पहले ही स्वीकृत किया हुआ है, अभी तक कार्य न करवाना, कई-कई घंटों तक जाम करके पूरे प्रदेश और देश की राजधानी से पूरी तरह गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश का समन्वय स्थापित न होना, इन मार्गों की बदतर स्थिति के कारण अत्यंत खराब स्थिति में है। इसी प्रकार से एन.एच.-29ई पर भी भारत सरकार से पैसा स्वीकृत है, लेकिन 9 करोड़ 31 लाख रूपए स्वीकृत होने के बावजूद अभी तक छह महीने से ऊपर हो चुके हैं, लेकिन अभी तक कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है। स्थानीय एनएचआई के अधिकारी और स्थानीय प्रशासन, स्थानीय माफियाओं से मिलकर पूरी तरह से इन राजमार्गों के प्रति उदासीन है। एनएचआई, इसकी खराब स्थिति और इसे पूरी तरह बदनाम कराने पर उत्तारू है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से इस बात का अनुरोध करूंगा कि इसकी जांच करवायी जाए और जो दोषी अधिकारी हैं उनके खिलाफ कार्यवाही करवाई जाए और दोनों राजमार्गों की स्थिति को सुदृढ़ किया जाए ताकि आवागमन सामान्य बन सके और यात्रियों को आने-जाने में होने वाली परेशानी से निजात मिल सके।

MR. SPEAKER: Yes, that is a problem, I think, every hon. Member is facing in his area.